संक्षिप्त डायरी

शिव भक्तों का अपमान करने वाले मौलाना पर हो कार्यवाही

न्यूज स्पीकस

मथुरा। मौलाना ने कहा है कि जो शिव भक्त कांवड़िया शराब पीते हैं ,भांग खाते हैं स्मैक पीते हैं,गांजा पीते हैं ,लूटपाट करते हैं पुलिस वालों की पिटाई करते हैं ,वह शिव भक्त नहीं है ,वह आतंकवादी हैं ।मौलाना के बयान पर सभी सनातनी हिंदुओं में और ब्रज भूमि के संतों में भारी आक्रोश व्याप्त है, श्री कृष्ण जन्म भूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी महाराज ने कहा कि मौलाना पहले से ही सनातन विरोधी रहा है ,इस मौलाना ने डिंपल यादव को नंगी महिला बोल दिया था, यह मौलाना हमेशा से हमारे सनातन हिंदुओं के खिलाफ रहा है, इसको हमारे धार्मिक आयोजनों से नफरत है , ऐसे मौलानाओं की एक लिस्ट बनाकर इनको पाकिस्तान भेज देना चाहिए ,यह मौलाना मुस्लिम युवाओं को भड़काने का प्रयास करते हैं ,दंगा करने का प्रयास करते हैं, ऐसे मौलाना का हिंदुस्तान में क्या काम। ब्रज भूमि के अन्य संतों ने भी मौलाना के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त किए है !

स्मार्ट क्लास से बच्चों को मिलेगा तकनीकी ज्ञान - खंड विकास अधिकारी

न्यूज स्पीकस

बलदेव :- विकास खंड बलदेव के ग्रामीण परिषदीय विद्यालयों में भी अब शिक्षा के बदलते स्वरूप की तस्वीर नजर आने लगी है।

शिक्षा को तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने स्मार्ट टीवी के शुभारंभ का फीता काटकर, स्मार्ट कक्षा की विधिवत शुरूआत कर शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने की पहल की। तकनीक आधारित इस कक्षा के शुरू होने से अब यहां के छात्र-छात्राएं डिजिटल माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और देश-दुनिया की जानकारियों से भी रूबरू होंगे। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने विद्यालय का निरीक्षण किया और बच्चों से बातचीत कर, उनकी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने आधुनिक शिक्षा के इस दौर में स्मार्ट क्लास को बच्चों के ज्ञान और सीखने की क्षमता को नई दिशा देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को विषयों को समझने में आसानी होगी और उनकी रुचि पढ़ाई के प्रति और अधिक बढ़ेगी क्यूंकि आधुनिक समय में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए स्मार्ट क्लास की अत्यंत आवश्यकता है। अब स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चों को विज्ञान, गणित और सामान्य ज्ञान के वीडियो, एनिमेशन और इंटरैक्टिव कंटेंट दिखाए जा सकेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामवासियों ने बताया कि शैक्षिक क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों से शिक्षा के प्रति अभिभावकों का विश्वास मजबूत हुआ है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश पाठक ने बताया कि स्मार्ट क्लास के जरिए बच्चे अब केवल पाठ्यक्रम की पढ़ाई तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें देश-दुनिया की घटनाओं और नई जानकारियों से भी जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस स्मार्ट टीवी के लगने से अब कक्षा में पढ़ाई और भी आसान हो जाएगी और कठिन विषयों को चित्रों और वीडियो के माध्यम से समझाया जा सकेगा। इससे बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ेगी और उपस्थिति में भी सुधार होगा। इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, रचनात्मक सोच और सामान्य ज्ञान में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी विद्यालय में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम जारी रहेगा। इस अवसर पर बिंदु शर्मा, डॉ ममता रानी, अचल कुमार, प्रेम चंद, पूजा रानी, अरुण कुमार, रविंद्र रावत, सुशेंद्र मित्तल आदि की उपस्थिति मुख्य रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ जगदीश पाठक ने किया।

निधन पर जताया शोक

न्यूज स्पीकस

(मथुरा)। स्वर्णकार समाज मथुरा के वरिष्ठ पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश वर्मा के असामयिक निधन पर स्वर्णकार समाज के विभिन्न संगठनों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने शोक व्यक्त कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताते हुए कहा कि श्रीमती कमलेश वर्मा सामाजिक ,धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। इस अवसर पर शोक व्यक्त करने वालों में ओमप्रकाश वर्मा पलसों वाले, दिनेश वर्मा, सत्येंद्र वर्मा ,मुनेंद्र वर्मा,रामप्रकाश वर्मा,अजीत वर्मा आशीष वर्मा, मिंकु वर्मा, तुलसीराम सोनी, सतीश वर्मा, कृष्णा वर्मा, लाला वर्मा, शिव कुमार आदि प्रमुख हैं।

आम-जनमानस लिंक (https://webcast.gov.in/up/icds) के माध्यम से जुड़ते हुए योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते है

न्यूज स्पीकस

मथुरा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा जन-मानस एवं लाभार्थियों को विभाग की सेवाओं, पोषण प्रबंधन, कुपोषण से बचाव के उपाय, पोषण और शिक्षा आदि के सम्बन्ध में पोषण पाठशाला का आयोजन दिनांक 06 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे से 01 बजे के मध्य किया जाएगा। पाठशाला का आयोजन वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा किया जायेगा। इस कार्यक्रम का विषय "आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा विश्व स्तनपान सप्ताह पर आधारित है। पोषण पाठशाला में इस सम्बन्ध में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञों द्वारा हिंदी में विस्तार से चर्चा की जायेगी। https://webcast.gov.in/up/icds इस लिंक के माध्यम से कोई भी लाभार्थी/आम जन-मानस इस कार्यक्रम से सीधे जुड़ सकता है।

के.डी. मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताई मां के दूध की महत्ता

छात्र-छात्राओं ने रंगोली, पोस्टर और नुक्कड़ नाटक से दिया स्तनपान का संदेश

न्यूज स्पीकस

मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के छात्र-छात्राओं ने रंगोली, पोस्टर तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं एवं तीमरदारों को स्तनपान के महत्व की जानकारी दी। स्तनपान सप्ताह के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, कॉलेज के डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह आदि ने छात्र-छात्राओं के संदेशपरक कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिशु के लिए मां का दूध सम्पूर्ण आहार होता है। इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और मिनरल सही मात्रा में मौजूद होते हैं। डीन डॉ. अशोका ने कहा कि मां का दूध बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, जिससे वह संक्रमण तथा अन्य बीमारियों से हमेशा सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि मां के दूध में मौजूद एंटीबॉडीज बच्चे को हर तरह की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। शिशु रोग विभाग, महिला एवं प्रसूति रोग विभाग तथा सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन मेडिकल छात्र-छात्राओं के नुक्कड़ नाटक से हुआ। छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्तनपान के महत्व और उसके फायदे बताए। नुक्कड़ नाटक में उन गलत परम्पराओं पर भी कटाक्ष किया गया जोकि शिशु के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। स्तनपान सप्ताह में भीड़भाड़ में कोई मां अपने बच्चे को कैसे दूध पिला सकती है, उसकी जानकारी देते हुए नवजात शिशु को शहद अथवा बोतल से दूध पिलाने के दुष्परिणाम भी बताए गए।

महिला एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी. पांडेय ने स्तनपान को समाज के भविष्य में एक बेहतर निवेश बताया। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य हर मां को उचित जानकारी, प्रशिक्षित सलाहकारों से मदद और ऐसा पारिवारिक, चिकित्सीय तथा कार्यस्थल वातावरण सुनिश्चित करना है, जो स्तनपान को प्रोत्साहित करे। विभागाध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन डॉ. गगनदीप कौर ने बताया कि स्तनपान करने वाले बच्चे दस्त, निमोनिया, सेप्टिक जैसी बीमारियों से बचे रहते हैं। इतना ही नहीं स्तनपान से महिलाएं मोटापे का शिकार नहीं होतीं तथा बच्चेदानी और ब्रेस्ट कैंसर से भी बच जाती हैं। शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या लता ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु का पोषण ही नहीं बल्कि समाज का दीर्घकालिक स्वास्थ्य निवेश भी है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर कम खर्च होता है, बच्चों की बौद्धिक क्षमता में सुधार आता है, भावी पीढ़ी को बेहतर शुरूआत मिलती है तथा स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे डिब्बा बंद या दूसरा दूध पीते हैं उनके मुकाबले मां का दूध पीने वाले बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से ज्यादा बेहतर होते हैं। इसलिए सभी माताओं को चाहिए कि वह अपने नवजात बच्चों को डेढ़ से दो साल की आयु तक स्तनपान जरूर करवाएं। विश्व स्तनपान सप्ताह में हुए विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों की कुलपति मनेष लाहौरी, कॉलेज के डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अम्बरीश कुमार, महिला एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी. पांडेय, विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा डॉ. गगनदीप कौर, विभागाध्यक्ष शिशु रोग डॉ. संध्या लता, विभागाध्यक्ष मेडिसिन डॉ. मंजू पांडेय, विभागाध्यक्ष क्षय रोग डॉ. एस.के. बंसल, डॉ. श्याम बिहारी शर्मा आदि ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. बिश्वाविनोद सानफुई, डॉ. स्वेता सिंह, डॉ. शुभ्रा दुबे, डॉ. निखिल थोराट, डॉ. शिवानी बिनवाल आदि ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

केएम विश्वविद्यालय में चार दिवसीय बोन एंड ज्वॉइन्ट वीक का समापन

स्वास्थ्य और सुरक्षा का दिया गया संदेश

न्यूज स्पीकस

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय एवं अस्पताल में हैल्दी बोन, हैल्थी इंडिया थीम पर आयोजित चार दिवसीय बोन एंड ज्वॉइन्ट वीक वर्कशॉप का भव्य समापन हुआ। इंडियन ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन एवं मथुरा ऑथोर्पेडिक सोसाइटी के तत्वावधान में 1 से 6 अगस्त तक आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने एमबीबीएस छात्रों, चिकित्सकों और कर्मचारियों को हड्डियों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

कार्यशाला के दूसरे व तीसरे दिन हैल्दी स्टूडेंट, हैल्दी इंडिया थीम पर श्रीब्रजधाम स्कूल के लगभग 100 विद्यार्थियों के लिए सत्र आयोजित हुआ। इसमें ऑर्थोपेडिक विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. हर्षित जैन ने विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर, खान-पान, मन और नींद का मंत्र दिया। सामान्य जनता के लिए फ्री बीएमडी जांच शिविर लगाया गया। साथ ही एमबीबीएस छात्रों ने दुर्घटना बचाव और गठिया विषय पर आकर्षक मॉडल व पोस्टर प्रस्तुत किए। कुलाधिपति के भ्राता देवी सिंह (डीएम साहब) ने इन मॉडलों की सराहना की और नशा मुक्ति अभियान की शपथ दिलाई। अंतिम सत्र का उद्घाटन कुलपति डॉ. एन.सी. प्रजापति, प्रति कुलपति डॉ. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह, चांसलर सलाहकार डा. एसपी गोस्वामी, डा. आरके गुप्ता, डा. यशपाल जिंदल, डॉ. एस. तारिक वली (फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी) अतिथियों ने किया। ऑर्थोपेडिक एचओडी डॉ. हर्षित जैन ने अतिथियों का पटुका पहनाकर स्वागत किया। सत्र में दफ्तर में बैठने की सही मुद्रा, आसान व्यायाम और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव पर चर्चा की गई। विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा आधुनिक जीवनशैली में हड्डियों का स्वास्थ्य सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। ऐसे आयोजन सही पोस्चर, खान-पान और नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होंगे। प्रतिकुलपति डा. शरद अग्रवाल ने कहा महिलाओं व बुजुर्गों में हड्डियों की कमजोरी की समस्या आम है। समय पर सही पोषण, कैल्शियम, विटामिन-डी और नियमित बीएमडी जांच से जोखिम कम किया जा सकता है। रोकथाम ही सबसे बेहतर इलाज है। कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा छात्रों द्वारा मॉडल और पोस्टरों के माध्यम से नशा मुक्ति और दुर्घटना बचाव का संदेश देना बेहद सराहनीय प्रयास है। इस अवसर पर मथुरा सोसाइटी के प्रेसिडेंट डा. आदर्श शर्मा(एमओएस), सैक्रेटरी डा. भास्कर तिवारी, विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक समीक्षा भारद्वाज, सहायक परीक्षा नियंत्रक अनिल चतुर्वेदी, डिप्टी रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, सब रजिस्ट्रार दीपक माथुर, नेहा शर्मा, एएमएस डॉ. नमित गौतम, डॉ. आर.पी. गुप्ता, वर्कशॉप डायरेक्टर डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. रामधन, डॉ. विभोर, डॉ. विष्णु और एंकर डॉ. अक्षय सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नंदबाबा के आंगन से गूंजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के स्वर

हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप के दिशा-निर्देश पर नंदगांव में चला जनजागरण अभियान

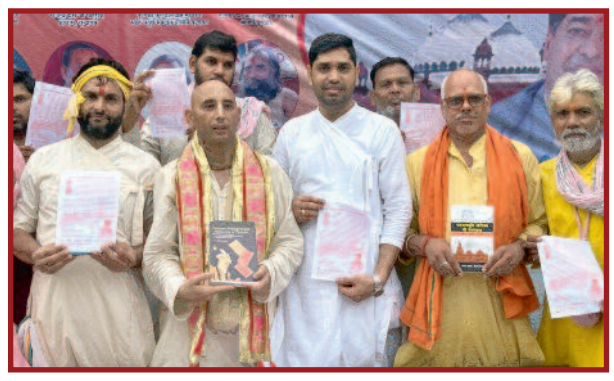

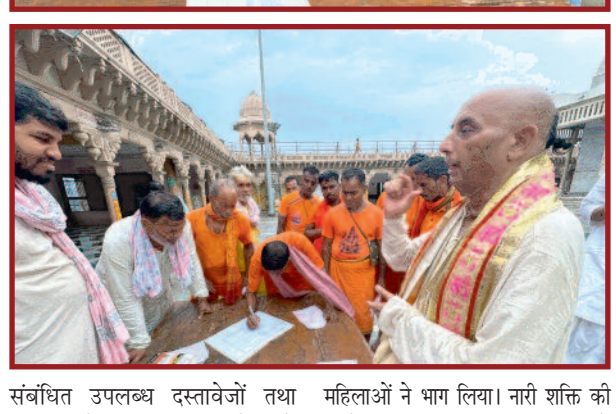

न्यूज स्पीकस

नंदगांव (मथुरा)। ब्रज के प्रमुख तीर्थ नंदगांव स्थित श्री नंदबाबा मंदिर परिसर से गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के दिशा-निर्देश में आयोजित इस अभियान के तहत मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण, न्यायालय में चल रही कानूनी प्रक्रिया तथा ऐतिहासिक साक्ष्यों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान घर-घर संपर्क कर हस्ताक्षर कराए गए तथा विषय से संबंधित पुस्तिकाएं और पंपलेट वितरित किए गए।

श्री नंदबाबा मंदिर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संत श्री श्यामानंद जी महाराज ने इस विषय से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायालय में चल रही प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया कि हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट लंबे समय से न्यायालय में इस मामले की पैरवी कर रहे हैं और जनसमर्थन के माध्यम से समाज को इस विषय के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंदिर के सेवायतों एवं अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जनजागरण का उद्देश्य समाज को ऐतिहासिक तथ्यों एवं न्यायालयीन प्रक्रिया से अवगत कराना है। उन्होंने सेवायतों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर लोगों को उपलब्ध दस्तावेजों और ऐतिहासिक प्रमाणों की जानकारी दें तथा अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ें। इसके बाद सेवायतों एवं कार्यकर्ताओं की टोली ने नंदगांव के विभिन्न मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया। घर-घर पहुंचकर लोगों को श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े ऐतिहासिक साक्ष्यों, मंदिर ध्वंस से संबंधित उपलब्ध दस्तावेजों तथा न्यायालय में प्रस्तुत किए जा रहे तथ्यों की जानकारी दी गई। इस दौरान विषय पर तैयार साहित्य, पुस्तिकाएं और पंपलेट भी वितरित किए गए। अभियान के दौरान विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण, हिंदू मंदिरों के ध्वंस तथा उनसे जुड़े ऐतिहासिक संदर्भों पर आधारित सामग्री के माध्यम से लोगों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। अभियान के साथ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, श्रद्धालुओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। नारी शक्ति की उल्लेखनीय सहभागिता रही। महिलाओं ने भी हस्ताक्षर कर अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। आयोजकों के अनुसार आने वाले दिनों में यह हस्ताक्षर अभियान ब्रज के अन्य गांवों और नगरों में भी चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों का समर्थन प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण के मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण की अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस उद्देश्य से चल रहे जनआंदोलन में अपनी सहभागिता निभाएंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालय के माध्यम से चल रहे प्रयासों के प्रति समाज का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग इस विषय में जागरूक होकर अपना समर्थन दे रहे हैं। इस अवसर पर श्री नंदबाबा मंदिर के सेवायत जगदीश गोस्वामी, कान्हा गोस्वामी, सोनू गोस्वामी, गोविंद गोस्वामी, दान बिहारी गोस्वामी, योगेश गोस्वामी, रवि गोस्वामी, शिवहरि गोस्वामी, पंकज गोस्वामी, दीपक गोस्वामी, शशिकांत, अटल गोस्वामी, गोपाल गोस्वामी, हीरा तथा बलदेव गोस्वामी सहित विभिन्न प्रांतों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में संचालित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि जनजागरण के माध्यम से समाज को ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायालय प्रक्रिया की जानकारी देना समय की आवश्यकता है।